RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
फरवरी
06
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

पीएम गति शक्ति पोर्टल / PM Gati Shakti Portal

संदर्भ:

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT), **पीएम गति शक्ति पोर्टल** के तहत उपलब्ध **डेटा और मैपिंग सुविधाओं** के उपयोग को लेकर निजी क्षेत्र के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी करने पर कार्य कर रहा है, ताकि वे बुनियादी ढांचा और अन्य परियोजनाओं में प्रभावी निर्णय ले सकें।

PM गति शक्ति के बारे में:

1. **परिचय:**
   - **PM गति शक्ति – राष्ट्रीय मास्टर प्लान** एक **डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** है, जो विभिन्न मंत्रालयों (जैसे रेलवे, सड़क परिवहन) को **एकीकृत योजना और समन्वित क्रियान्वयन** के लिए जोड़ता है।
   - **लॉन्च: अक्टूबर 2021**।
2. **मुख्य उद्देश्य:**
   - **GIS प्लेटफ़ॉर्म** के माध्यम से **मंत्रालयों को जोड़कर बेहतर समन्वय और योजना**।
   - **मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी** को बढ़ावा देना (रेल, सड़क, बंदरगाह, हवाई अड्डे आदि का एकीकृत विकास)।
   - **लॉजिस्टिक्स लागत को 8% तक कम करना**, जैसा कि विकसित देशों में है।
   - **'मेक इन इंडिया' को प्रोत्साहित करना**, जिससे भारत **वैश्विक विनिर्माण और व्यापार केंद्र** के रूप में मजबूत हो सके।

निजी क्षेत्र के लिए DPIIT दिशानिर्देश:

1. **उद्देश्य: उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT)** निजी कंपनियों के लिए **PM गति शक्ति पोर्टल से डेटा और मानचित्रों के उपयोग पर विस्तृत दिशानिर्देश जारी करेगा**।

2. **डेटा साझाकरण विकल्प:**
   - सरकार **निजी क्षेत्र के साथ डेटा साझा करने के विभिन्न तरीकों पर विचार कर रही है**।
   - **सुरक्षित विकल्प:** कंपनियों को **उनके प्रोजेक्ट से संबंधित विशिष्ट प्रश्नों के आधार पर डेटा प्रदान करना**।
3. **डेटा साझाकरण का उद्देश्य:**
   - **बेहतर परियोजना योजना** और **लास्ट-माइल डिलीवरी को अनुकूलित करना**।
   - **इंफ्रास्ट्रक्चर-आधारित एप्लिकेशन विकसित करना**।
4. **उदाहरण:**
   - **कोयला खनन कंपनी → सर्वोत्तम परिवहन मार्ग खोजने के लिए डेटा का उपयोग**।
   - **टेलीकॉम कंपनी → मोबाइल टावरों के स्थानों की प्रभावी योजना बनाने के लिए**।

PM गति शक्ति योजना: प्रमुख लाभ और चुनौतियाँ:

प्रमुख लाभ:

1. **तेज़ अवसंरचना विकास: 208 से अधिक प्रमुख अवसंरचना परियोजनाओं** (मूल्य **$180 बिलियन से अधिक**) की निगरानी और तेज़ कार्यान्वयन।
2. **महत्वपूर्ण अवसंरचना अंतराल की पहचान: लास्ट-माइल कनेक्टिविटी में सुधार**, खासकर **कोयला और खाद्य वितरण** जैसे क्षेत्रों में।
3. **वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि: लॉजिस्टिक्स लागत में कमी** से भारतीय वस्तुएँ **अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी** हुईं।

प्रमुख चुनौतियाँ:

1. **भूमि स्वामित्व विवाद:** भूमि अधिग्रहण से जुड़े **कानूनी और स्वामित्व विवादों के कारण परियोजनाओं में देरी**।
2. **सरकारी रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण नहीं होना: अनुपलब्ध या असंगठित रिकॉर्ड** के कारण **फैसले लेने में कठिनाई**।
3. **डेटा साझाकरण और तकनीकी दक्षता की कमी:**
   - **निजी क्षेत्र के साथ डेटा साझा करने को लेकर सुरक्षा चिंताएँ**।
   - **उन्नत भू-स्थानिक (Geospatial) तकनीक के लिए कुशल कार्यबल की कमी**।

समुद्री विकास निधि और भारतीय शिपिंग उद्योग / Maritime Development Fund & Indian Shipping Industry

संदर्भ:

केंद्रीय बजट 2025 में **शिपिंग उद्योग के लिए ₹25,000 करोड़ का समुद्री विकास कोष (Maritime Development Fund)** सहित अन्य प्रोत्साहनों की घोषणा की गई है।

₹25,000 करोड़ समुद्री विकास कोष: मुख्य बिंदु

1. **घोषणा:**
   - **वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण** ने **₹25,000 करोड़ का समुद्री विकास कोष** (Maritime Development Fund) घोषित किया।
   - उद्देश्य: **भारतीय शिपिंग उद्योग को समर्थन और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना।**

2. **कारण:**
   - **रेड सी संकट** के कारण **विदेशी शिपिंग लाइनों द्वारा उच्च भाड़े दरों की मनमानी**।
   - भारतीय निर्यातकों की **शिकायतों के बाद यह कदम उठाया गया**।
3. **सरकार और निजी क्षेत्र की भागीदारी:**
   - **49% योगदान सरकार का**।
   - शेष **पोर्ट्स और निजी क्षेत्र से जुटाया जाएगा**।
4. **पृष्ठभूमि:**
   - **2019 में केंद्र सरकार ने शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (SCI) के विनिवेश को मंजूरी दी थी**।
   - भारत से **बढ़ते निर्यात के साथ परिवहन सेवाओं पर विदेशी मुद्रा भुगतान बढ़ रहा है**।
   - **2022 में भारतीय व्यापारियों ने $109 बिलियन से अधिक परिवहन शुल्क के रूप में भेजे**।

भारत के शिपिंग उद्योग की वर्तमान स्थिति:

1. **समुद्री क्षेत्र द्वारा व्यापार प्रबंधन: 95% व्यापार (वॉल्यूम में) और 70% व्यापार (मूल्य में)** समुद्री क्षेत्र द्वारा संचालित।
2. **निर्यातित जहाजों का बाजार हिस्सा: भारत वैश्विक शिपिंग जहाजों का 33% निर्यात करता है** (आर्थिक सर्वेक्षण 2024)।
3. **वैश्विक जहाज निर्माण और स्वामित्व:**
   - **वैश्विक जहाज निर्माण में भारत की हिस्सेदारी केवल 0.07%**।
   - **भारत के पास दुनिया के कुल जहाजों का केवल 1.2% स्वामित्व**।
4. **जहाज पुनर्चक्रण (Ship Recycling):**
   - **टन भार के हिसाब से भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा जहाज पुनर्चक्रण केंद्र**।
   - **30% वैश्विक बाजार हिस्सेदारी**।
   - **दुनिया की सबसे बड़ी शिप ब्रेकिंग सुविधा अलंग, गुजरात** में स्थित।
5. **बंदरगाह अवसंरचना: 13 प्रमुख बंदरगाह** और **200+ अधिसूचित लघु एवं मध्यम बंदरगाह**।

भारत के समुद्री और जहाज निर्माण क्षेत्र की चुनौतियाँ:

- **वित्तीय बाधाएँ:** जहाज अवसंरचना का दर्जा न मिलने और SARFAESI अधिनियम, 2002 के तहत बंधक न रखे जाने से वित्त पोषण में कठिनाई।
- **बंदरगाह अवसंरचना की कमी:** भारतीय बंदरगाह बड़े कंटेनर जहाज नहीं संभाल सकते, ट्रांसशिपमेंट के लिए विदेशी हब पर निर्भरता।
- **तकनीकी और कौशल अंतर:** वैश्विक नाविकों में भारत की 10-12% भागीदारी, लेकिन विशेष जहाज निर्माण कौशल में कमी।
- **नीतिगत और नियामक बाधाएँ:** भूमि अधिग्रहण और CRZ अनुपालन के कारण बंदरगाह विस्तार में देरी।
- **वैश्विक प्रतिस्पर्धा:** चीन की 46.6% वैश्विक हिस्सेदारी के मुकाबले भारतीय शिपयार्ड की सीमित क्षमता और प्रतिस्पर्धात्मकता।
- **धीमी तटीय शिपिंग:** 7,500 किमी तटीय क्षेत्र के बावजूद घरेलू माल परिवहन में इसकी हिस्सेदारी मात्र 6%, लॉजिस्टिक्स लागत अधिक।

एथेनॉल ईंधन / Ethanol Fuel

संदर्भ:

हाल ही में, केंद्रीय सड़क और राजमार्ग मंत्री ने घोषणा की कि भारत **अगले दो महीनों** के भीतर (2025 की शुरुआत में) **पेट्रोल के साथ 20% इथेनॉल मिश्रण** का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

एथेनॉल ईंधन क्या है?

- **एथेनॉल एक नवीकरणीय जैव ईंधन (Biofuel) है**, जो **गन्ना, अनाज और अन्य बायोमास से प्राप्त किया जाता है**।
- इसे **पेट्रोल के साथ मिश्रित किया जाता है** ताकि **कच्चे तेल पर निर्भरता कम हो, उत्सर्जन घटे और ऊर्जा सुरक्षा बढ़े**।

एथेनॉल कैसे बनाया जाता है?

1. **किण्वन (Fermentation):**
   - **गन्ने के रस, शीरा (Molasses), और अनाज (मक्का, चावल, ज्वार, बाजरा, मिलेट्स)** से शर्करा को **खमीर (Yeast) की मदद से किण्वित किया जाता है**।
2. **आसवन (Distillation):**
   - **किण्वित मिश्रण से एथेनॉल को अलग कर शुद्ध किया जाता है**।
3. **निर्जलीकरण (Dehydration):**
   - **पेट्रोल में मिश्रण योग्य निर्जल (Anhydrous) एथेनॉल बनाने के लिए पानी को हटाया जाता है**।
4. **मिश्रण (Blending):**
   - एथेनॉल को **पेट्रोल में 5%, 10%, या 20% (E5, E10, E20) अनुपात में मिलाया जाता है**।

एथेनॉल के उपयोग:

1. **चिकित्सा क्षेत्र:**
   - **एंटीसेप्टिक और डिसइंफेक्टेंट** के रूप में प्रयोग।
2. **औद्योगिक उपयोग:**
   - **रासायनिक विलायक (Solvent) के रूप में कार्य करता है।**
   - **जैविक यौगिकों (Organic Compounds) के संश्लेषण में भूमिका।**
3. **ईंधन विकल्प:**
   - **जैव ईंधन (Biofuel) के रूप में उपयोग**, जिससे **जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम होती है।**

भारत में एथेनॉल उत्पादन की वर्तमान स्थिति:

1. **एथेनॉल मिश्रण (Blending):**
   - **2024 में 15% तक पहुँचा।**
   - **2025 तक 20% (E20) लक्ष्य** निर्धारित।
2. **डिस्टिलरी क्षमता (Distillery Capacity):**
   - **वर्तमान क्षमता: 1,600 करोड़ लीटर।**
   - **2025 तक लक्ष्य: 1,700 करोड़ लीटर।**
3. **स्रोत अनुसार योगदान:**
   - **गन्ना-आधारित एथेनॉल: 400 करोड़ लीटर।**
   - **अनाज-आधारित एथेनॉल (मक्का, चावल): 700 करोड़ लीटर।**

एथेनॉल उत्पादन में प्रमुख चुनौतियाँ:

1. **कच्चे माल की उपलब्धता:** गन्ना और अनाज पर अत्यधिक निर्भरता, जिससे खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव पड़ सकता है।
2. **पानी की खपत**: गन्ना और चावल जैसी फसलें अधिक पानी मांगती हैं, जिससे सतत उत्पादन (Sustainability) प्रभावित होता है।
3. **अवसंरचना की कमी**: कई राज्यों में एथेनॉल भंडारण और मिश्रण की सुविधाएँ सीमित हैं।
4. **लॉजिस्टिक्स और परिवहन**: अंतरराज्यीय एथेनॉल परिवहन में कई नियामक बाधाएँ हैं।
5. **आर्थिक व्यवहार्यता**: कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और उच्च उत्पादन लागत से लाभप्रदता प्रभावित होती है।

सरकार द्वारा एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने की पहल:

1. **राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति (2018) – (National Policy on Biofuels, 2018)**
   - **जैव-ईंधनों की उपलब्धता बढ़ाने पर केंद्रित।**
   - **पारंपरिक ईंधनों के साथ मिश्रण प्रतिशत बढ़ाने का लक्ष्य।**
2. **एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम (EBP) – 2025-26 तक पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य।**
3. **प्रधानमंत्री जीवन योजना (PM JI-VAN YOJANA)**
   - **दूसरी पीढ़ी (2G) के एथेनॉल परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता।**
   - **गैर-खाद्य बायोमास से एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा देना।**

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बना / India becomes World's 2nd largest mobile manufacturer

संदर्भ:

हाल ही में, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने घोषणा की कि भारत अब चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया है। यह उपलब्धि सरकार की 'मेक इन इंडिया' और **'प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (PLI)'** जैसी नीतियों का परिणाम है, जिसने देश में मोबाइल उत्पादन को बढ़ावा दिया है।

भारत में मोबाइल निर्माण में अभूतपूर्व वृद्धि (2014-2024)

1. **मोबाइल निर्माण इकाइयों की वृद्धि:**
   - **2014:** केवल **2 मोबाइल निर्माण इकाइयाँ**।
   - **2024: 300 से अधिक इकाइयाँ** स्थापित।
2. **'मेड इन इंडिया' मोबाइल की हिस्सेदारी:**
   - **2014-15:** केवल **26% मोबाइल भारत में बने**।
   - **2024: 99.2% मोबाइल भारत में निर्मित**।
3. **विनिर्माण मूल्य में उछाल:**
   - **2014:** ₹18,900 करोड़।
   - **2024:** ₹4,22,000 करोड़।
4. **निर्यात में जबरदस्त बढ़ोतरी:**
   - **2014:** निर्यात **लगभग शून्य**।
   - **2024: ₹1,29,000 करोड़** से अधिक का निर्यात।
5. **रोजगार सृजन:**
   - **12 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियाँ** निर्मित।

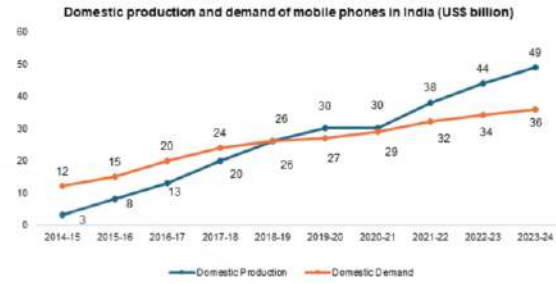

भारत में मोबाइल निर्माण में घरेलू मांग की भूमिका:

1. **प्रमुख विकास कारक: बड़ी उपभोक्ता आबादी** और **बढ़ती प्रति व्यक्ति आय** के कारण घरेलू मांग में वृद्धि।
2. **घरेलू मांग में वृद्धि:**
   - **FY14: US$ 12 बिलियन**।
   - **FY24: US$ 36 बिलियन**।
   - **CAGR: 13%**।
3. **विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा: बढ़ती घरेलू खपत** से भारत में **मोबाइल उत्पादन को निरंतर प्रोत्साहन**।

China+1 रणनीति और भारत की उभरती भूमिका:

1. **China+1 : आपूर्ति श्रृंखलाओं (Supply Chains) को विविधता देने की रणनीति**, जिससे **चीन पर निर्भरता कम हो**।
   - **भूराजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला बाधाओं** के कारण यह प्रवृत्ति तेज हुई।
   - **व्यापार आँकड़े इस बदलाव को दर्शाते हैं।**
2. **मोबाइल निर्यात में भारत की वृद्धि:**
   - **2023-24 में निर्यात प्रदर्शन:**
     - **चीन: 2.78% गिरावट**।
     - **वियतनाम: 17.6% गिरावट**।
     - **भारत: 40% से अधिक की वृद्धि**।

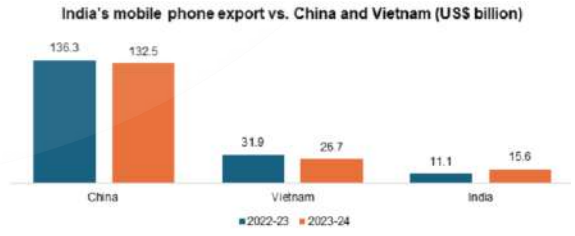

वैश्विक डिजिटल कल्याण सूचकांक / Global Digital Wellbeing Index

संदर्भ:

भारत 100 में से 67 अंकों के साथ वैश्विक डिजिटल वेलबीइंग इंडेक्स में शीर्ष स्थान पर है।

रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष:

1. **भारत डिजिटल वेलबीइंग में अग्रणी:**
   - **67 अंकों के साथ वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान।**
2. **ऑनलाइन संतुष्टि में पहला स्थान:**
   - **58% उत्तरदाता अपनी डिजिटल अनुभव से संतुष्ट।**
   - **अमेरिका (53%) और यूके (42%) से अधिक।**
3. **युवाओं के लिए सबसे मजबूत समर्थन प्रणाली:**
   - **9 से 12 मार्गदर्शन स्रोत उपलब्ध** (माता-पिता, शिक्षक, मेंटर्स आदि)।
4. **माता-पिता की ऑनलाइन निगरानी में बढ़ोतरी:**
   - **70% माता-पिता नियमित रूप से किशोरों की ऑनलाइन गतिविधियाँ जाँचते हैं** (2023 में 62%)।
   - **सर्वेक्षण किए गए सभी देशों में सबसे अधिक।**

रिपोर्ट में उजागर प्रमुख चुनौतियाँ:

1. ऑनलाइन खतरों और सेक्सटॉर्शन में वृद्धि:

- **भारत में सेक्सटॉर्शन की दर सबसे अधिक**, जहाँ **71% जेन Z यूजर्स इस खतरे का सामना कर चुके हैं।**
- **55% यूजर्स ऑनलाइन धमकियों के शिकार**, जिनमें सेक्सटॉर्शन और ग्रूमिंग शामिल।
- **60% ने ऑनलाइन ग्रूमिंग का अनुभव किया, जिसमें आधे से अधिक नाबालिग थे।**

2. निजी छवियों पर नियंत्रण खोने की समस्या:

- 77% लोगों ने अपनी निजी छवियों पर नियंत्रण खो दिया।
- 80% मामलों में प्रभावित लोग 13-17 वर्ष की आयु के नाबालिग।

3. कानूनी जागरूकता की कमी:

- 52% उत्तरदाताओं को गलतफहमी कि नाबालिगों से संबंधित आपत्तिजनक सामग्री की रिपोर्ट न करना कानूनी रूप से सही है।

डिजिटल सुरक्षा और भलाई को बढ़ावा देने के प्रयास

1. स्नैपचैट फैमिली सेंटर अपडेट:

- माता-पिता के लिए **बेहतर कंटेंट कंट्रोल और किशोरों की ऑनलाइन गतिविधियों पर निगरानी के नए टूल्स**।
- अब माता-पिता **Snapchat के "My AI" चैटबॉट को बंद कर सकते हैं**, जिससे **किशोरों की ऑनलाइन बातचीत की सुरक्षा सुनिश्चित** हो सके।

2. 'Stay Safe Online' कार्यक्रम:

- **राष्ट्रीय स्तर का साइबर जागरूकता कार्यक्रम**, जो **डिजिटल नागरिकों (बच्चों, किशोरों, युवाओं आदि) को सुरक्षित डिजिटल प्रथाओं के बारे में शिक्षित करता है।**

3. राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (NDLM):

- **6 करोड़ लोगों को आईटी प्रशिक्षण देने का लक्ष्य।**
- **आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को डिजिटल साक्षरता और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार सिखाना।**

4. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPCR, 2007):

- **बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान और संयुक्त राष्ट्र बाल अधिकार समझौते (UNCRC) के अनुरूप नीतियाँ और कार्यक्रम लागू करता है।**

डिजिटल वेल-बीइंग इंडेक्स (DWBI) के बारे में:

- **जेन Z की ऑनलाइन मानसिक भलाई** को मापने वाला सूचकांक।
- **छह देशों** (भारत, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, यूके, अमेरिका) के **9,000+ प्रतिभागियों** पर आधारित।
- **13-24 वर्ष के जेन Z उपयोगकर्ताओं और किशोरों के माता-पिता** पर केंद्रित।
- **PERNA मॉडल** का उपयोग करता है, जिसमें **पाँच श्रेणियाँ** शामिल हैं: सकारात्मक भावनाएँ, सहभागिता, संबंध, नकारात्मक भावनाएँ और उपलब्धि।

परमाणु ऊर्जा मिशन / Nuclear Energy Mission

संदर्भ:

केंद्रीय बजट 2025-26 में **न्यूक्लियर एनर्जी मिशन** के लिए **₹20,000 करोड़** का प्रावधान किया गया है, जिसका उद्देश्य **स्वदेशी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR)** विकसित करना और भारत की स्वच्छ ऊर्जा क्षमता व तकनीकी आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए बजट 2024-25 में प्रमुख पहल:

1. परमाणु ऊर्जा मिशन (Nuclear Energy Mission)

परिचय:

- **छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स (SMRs) के अनुसंधान और विकास (R&D) पर केंद्रित।**
- **बजट आवंटन:** ₹20,000 करोड़।
- **लक्ष्य:** 2033 तक कम से कम 5 स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए और परिचालित SMRs विकसित करना।

निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी:

- **Bharat Small Reactors की स्थापना।**
- **Bharat Small Modular Reactors के अनुसंधान और विकास।**
- **नए परमाणु रिएक्टरों का विकास**, जिनमें शामिल हैं:
  - हाइड्रोजन को-जेनरेशन के लिए हाई-टेम्परेचर गैस-कूल्ड रिएक्टर।
  - थोरियम संसाधनों के उपयोग हेतु मोल्टन साल्ट रिएक्टर।

भूमिकाएँ:

- **निजी क्षेत्र: भूमि, शीतलक जल और पूंजी प्रदान करेगा।**
- **NPCIL (न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड):**
  - **डिजाइन, गुणवत्ता आश्वासन और संचालन-रखरखाव की जिम्मेदारी** संभालेगा।
  - **मौजूदा कानूनी ढांचे के तहत कार्य करेगा।**

2. ऊर्जा क्षेत्र में सुधार (Energy-sector Reforms)

परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट, 2010 में संशोधन किया जाएगा ताकि:

- परमाणु ऊर्जा मिशन को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।
- निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा दिया जा सके।
- परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के विकास में सुगमता लाई जा सके।

विकसित भारत के लिए परमाणु ऊर्जा मिशन

- **लक्ष्य:**
  - 2047 तक 100 गीगावॉट (GW) परमाणु ऊर्जा क्षमता प्राप्त करना।
  - कार्बन उत्सर्जन में कमी और भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए परमाणु ऊर्जा का विस्तार।
- **नीतिगत सुधार:**
  - परमाणु ऊर्जा अधिनियम (Atomic Energy Act) और सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट (Civil Liability for Nuclear Damage Act) में संशोधन।
  - इससे निजी निवेश और परमाणु परियोजनाओं के कार्यान्वयन में सुगमता आएगी।

भारत की परमाणु क्षमता बढ़ाने के लिए सरकारी पहल:

- सरकार का लक्ष्य 2031-32 तक परमाणु ऊर्जा क्षमता को मौजूदा 8,180 मेगावाट से बढ़ाकर 22,480 मेगावाट करना है।
- इस विस्तार में गुजरात, राजस्थान, तमिलनाडु, हरियाणा, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में 8,000 मेगावाट के दस रिएक्टरों का निर्माण और कमीशनिंग शामिल है।
- सरकार ने आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम के कोव्वाडा में अमेरिका के सहयोग से 6 x 1208 मेगावाट के परमाणु ऊर्जा संयंत्र की स्थापना को भी मंजूरी दी।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

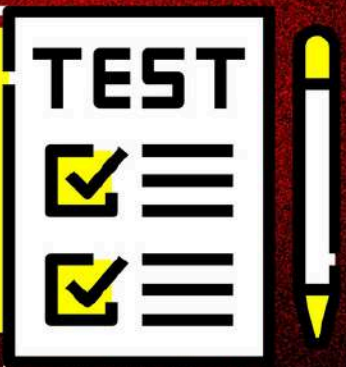

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !